विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के
अवसर पर
(10.09.2023)

न सोच आत्महत्या की
ये जिन्दगी ना मिलेगी दुबारा.
सफलता के अवसर मिलेंगे कई
पर जिन्दगी ना मिलेगी दुबारा.
हट, सोच, लड़
ना छोड़ उम्मीद
~~क्योंकि~~
तू सफल होगा एक दिन.
पर गर हताशा जीती तो
जिन्दगी ना मिलेगी दुबारा.

= उम्मीद की किरण =

(अरविन्द कु० पाण्डेय
संकायाध्यक्ष विज्ञान
नी० पी० वि० वि०
मेदनीनगर)